



Total No. of Printed Pages – 3

APPM
SANTHALI LANGUAGE AND LITERATURE

संताली भाषा और साहित्य

SUBJECT CODE : 09

विषय कोड : 09

PAPER – IX

पत्र – IX

Full Marks : 100

पूर्णांक : 100

Time : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

निर्देश : (1) जोजोम नाखा रे पूर्णांक एम आकाना ।

(2) कुकली साकाम बार हिंस रे हाटिअ आकाना भाग – A रे मुट पुनया कुकली (कुकली लेखा 1 खोन 4) भाग – B रे मुट पुनया कुकली (कुकली लेखा 5 खोन 8) मेनाक् आ ।

(3) मुट तुरूई गोटाड कुकली रेयाक् उत्तर एममें । कुकली लेखा 1 आर कुकली लेखा 5 आक् उत्तर एमोक् निहात लाक्ती काना ।

(4) निहात् लाक्तीयानाक् कुकली लेखा 1 आर कुकली लेखा 5 रेदो मुट तुरूई-तुरूई कुकली मेनाक् आ । मुट तुरूई-तुरूई कुकली को मुदखोन पुनया-पुनया कुकली को रेयाक् उत्तर एमोक् दो निहात् लाक्ती काना ।

(5) निहात् लाक्तीयानाक् कुकली लेखा 1 आर कुकली लेखा 5 आक् छाड़ा काते बानार भाग खोन का मे से कोम मित्ताड आर मुट पेया कुकली रेयाक् उत्तरम एममें ।

निर्देश : (1) हाशिये में पूर्णांक दिए गए हैं ।

(2) प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त है । भाग – A में चार प्रश्न (प्रश्न सं. 1 से 4) एवं भाग – B में कुल चार (प्रश्न सं. 5 से 8) हैं ।

(3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देना अनिवार्य है ।

(4) अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 के अंतर्गत कुल छह-छह प्रश्न हैं । कुल छह-छह प्रश्नों में से चार-चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है ।

(5) अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 के अतिरिक्त दोनों भाग में से कम से कम एक एवं कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

APPM

Paper-IX


भाग- A

1. लातार रे एम आकान कुकली को मुदखोन जाहाँगे पुनया (4) कुकली रेयाक् तेला ओलमें । 4 × 5 = 20
 (क) संताली पारसी रेयाक् विशेषताको ओलमें ।
 (ख) कुदुम दो ओका को मेताक् काना ? पारतुल एमकाते तेला ओलमें ।
 (ग) संताली व्याकरण लेकाते कानवा (क्रिया) दो ओका को मेताक् काना ? नोवा रेयाक् हाटिज को पारतुल सालाक् ओलमें ।
 (घ) संताली पारसी-सॉवहेत् हारा राकाप् रे “होड़-सोम्बाद” पत्रिका रेनाक् एनेम ओलमें ।
 (ङ) दोड़ दो ओका जोहोक् के एनेच् सेरेजा ? पारतुल एमकाते तेला ओलमें ।
 (च) धारती सिरजोन रे लिटा गौसायाक् एनेम ओलमें ।
2. संताली होड़ सेरेज मेनते चेत् एम बुझावा ? नोवा रेयाक् हाटिज को ओलमें । 20
3. ओनोल (निबंध) सॉवहेत् दो ओकालेकान सॉवहेत् काना ? संताली ओनोल सॉवहेत् रेनाक् नागाम ओलमें । 20
4. नाथनियल मुरमू आक् सॉवहेत् जियोन ओलमें । 20

भाग - B

5. लातार रे एम आकान कुकली को मुदखोन जाहाँगे पुनया (4) कुकली रेयाक् तेला ओलमें । 4 × 5 = 20
 (क) संताली सॉवहेत् हारा राकाप् रे हिन्दी सॉवहेत् रेनाक् ओरसोड़ जुर आकाना से बाड़ ? ओलमें ।
 (ख) नाँहाक् सेरेज लाईते चेत् एम बुझावा ? पारतुल एमकाते तेला ओलमें ।
 (ग) डोमोन हाँसदावाक् सॉवहेत् जियोन ओलमें ।
 (घ) “ओजोय गाडा ढिपरे” उपन्यास पुथी रे मेनाय “रायसेन” आक् चरित ओलमें ।
 (ङ) “संसार फेंद” गायन दो ओकालेकान गायन काना ? नाँहाक् बिदाल ओना रेनाक् मोहोत् तिनाक्गान ? ओलमें ।
 (च) संताल सॉवता रे “गोडेत्” आक् कामी होराको ओल पुस्टाव में ।



6. संताल सॉवता रे “छाटियार” बाबोत् मित् ओनोल ओलमें । 20
7. आम दो भारत आयो दिसोम गोजिज 20
आमा : कोलेरिज जोनोम आकान ।
आम गेतिज जानाम दाता तोवादारे
आमा : जुतुम जुमिज एभेन आकान ।
इजा : बुगी जुदा आमगेम बाडाय
आमा : आसिस मांगो एमाज मेताम ।
- नोवा ओनोडहें थार रेनाक् भेद भागावमें ।
8. संताली पारसी ते तोरजोमाय (अनुवाद) में : 20
किसी भी समुदाय के लिए मातृभाषा सबसे प्यारी भाषा होती है । अपनी भाषा में बोलने से लोगों को अपनापन का अनुभव होता है । मातृभाषा ही हमें अस्मिता और एकता प्रदान करती है । मातृभाषा बोलने में विशेष आनंद के साथ-साथ गर्व भी होता है । किन्हीं विशेष परिस्थितियों में तो अपनी भाषा और भी प्यारी लगने लगती है यदि हम इसको सुनने की आशा भी नहीं कर रहे थे, जैसे – “परदेस” में । यदि विदेश में कोई हमको हमारी मातृभाषा में एक शब्द कह दे तो हमारा हृदय आनंद से कितना गद्गद् हो जाता है । मातृभाषा का प्रभाव इतना जबरदस्त है कि कभी-कभी वह शत्रुओं को भी मित्र बना देता है ।